 Part-2, Sc-102, Page-2, Dr. S.B. Choudhary

(2) **शिक्षा के उद्देश्य का निर्माण तथा शिक्षा पर नियन्त्रण** (Formulation Aims and Control on Education) – समुदाय शिक्षा के उद्देश्यों का निर्माण है तथा उन्हें प्राप्त करने के लिए विभिन्न स्कूलों में प्रदान की जाने वाली शिक्षा नियन्त्रण भी रखता है।

(3) **सार्वभौमिक शिक्षा की व्यवस्था** (Provision of Universal Education) समुदाय शिक्षा के विभिन्न स्तरों को निश्चित करता है तथा सार्वभौमिक शिक्षा की व्य करता है।

(4) **पाठ्यक्रम का निर्माण** (Construction of Curriculum) – शैक्षिक उ को प्राप्त करने के लिए पाठ्यक्रम की आवश्यकता होती है। अतः समुदाय आधा पाठ्यक्रम तथा शिक्षा संगठन की रूपरेखा भी तैयार करता है।

(5) **व्यावसायिक एवं औद्योगिक शिक्षा की व्यवस्था** (Provision of Vocation and Industrial Education) – वर्तमान युग में व्यावसायिक एवं औद्योगिक शि परम आवश्यक है। अतः समुदाय विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक, औद्योगिक तथा तकनी स्कूलों का निर्माण करता है।

(6) **प्रौढ़ शिक्षा** (Adult Education) – समुदाय की उन्नति के लिए बालक बालिकाओं की शिक्षा तो आवश्यक है ही, परन्तु इससे भी अधिक उन प्रौढ़ों को शि की आवश्यकता है जिनके कन्धे पर समुदाय की विभिन्न आवश्यकताओं तथा समस्य को सुलझाने का भार है। अतः समुदाय प्रौढ़ एवं विकलांग शिक्षा का भी उचित प्र करता है।

(7) **स्कूलों के लिए धन की व्यवस्था** (Finance of Schools) – शैक्षिक संस्थ को सुचारु रूप से चलाने के लिए धन की आवश्यकता पड़ती है। अतः समुदाय संस्थाओं के भवन निर्माण, फर्नीचर तथा शिक्षकों के वेतन आदि विभिन्न बातों के अधिक से अधिक धन की व्यवस्था करता है।

(8) **नागरिकों तथा स्कूल के नेताओं में सहयोग** (Co-operation betw Citizens and School Leaders) – स्कूलों की प्रगति के लिए नागरिकों तथा स के नेताओं में सहयोग होना परम आवश्यक है। अतः समुदाय शिक्षा के विकास हेतु के आर्थिक सहायता देकर स्कूलों पर नियन्त्रण ही नहीं रखता अपितु नागरिकों तथा स्कू नेताओं में सहयोग भी स्थापित करता है।

उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट हो जाता है कि जहाँ समुदाय एक ओर बालक शिक्षित करने के लिए अनौपचारिक प्रभाव डालता है, वहाँ दूसरी ओर औपचारिक से भी कोई कसर बाकी नहीं छोड़ता।

शिक्षा के साधन के रूप में समुदाय के गुण
(Merits of Community as an Agency of Education)

समुदाय द्वारा प्रदान की जाने वाली शिक्षा के अग्रलिखित गुण हैं—

(1) समुदाय द्वारा दी गई शिक्षा अर्थयुक्त होती है।